‘किसान कम लागत में मधुमक्खी पालन कर ज्यादा आमदनी प्राप्त कर सकता है’

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान में ‘भारत के सतत आर्थिक विकास में मधुमक्खी पालन की भूमिका, चुनौतियां और अवसर’ विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के कीट विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में देश के प्रमुख मधुमक्खी वैज्ञानिक व शेर ए कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, जम्मू के निवर्तमान अधिष्ठाता प्रो. डी.पी. एब्रोल ने इस विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार, समस्त अधिष्ठाता, संकाय शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

डॉ एब्रोल ने अपने व्याख्यान में बताया कि मधुमक्खी पालन न सिर्फ विश्व की खाद्य सुरक्षा के लिए आवश्यक है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त अवसर प्रदान करता है। साथ ही इससे किसानों को बेहद कम लागत में ज्यादा आमदनी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि शहद उत्पादन में भारत का स्थान सातवां है। लेकिन देश में इसका उपभोग मात्र 0.05 ग्राम प्रति व्यक्ति/प्रतिवर्ष है।

शहद के गुणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इसके सेवन से ना सिर्फ हमें ऊर्जा मिलती है। बल्कि कई तरह के सूक्ष्म पोषक तत्व शरीर को मिल जाते हैं। जिससे हमारे शरीर की रोगों के प्रति प्रतिरोधकता बढ़ती है। डॉ एब्रोल ने अपने व्याख्यान में देश के सतत आर्थिक विकास में मधुमक्खी पालन की भूमिका व विभिन्न स्तरों पर किए जाने वाले कार्यों को रेखांकित किया। इनके व्याख्यान के उपरान्त इस विषय पर कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों ने पश्चिमी राजस्थान में मधुमक्खी पालन की संभावनाओं, मोबाइल टावर का मधुमक्खियों की दैनिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव व शहद के डिब्बे में तले पर जमने के गुण इत्यादि पर चर्चा की। इस पर डॉ एब्रोल ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में स्थानांतरण प्रकार के मधुमक्खी पालन की संभावना है। साथ ही बताया कि मोबाइल टावर की तरंगों से मधुमक्खियों के दैनिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शहद के नीचे जमने को लेकर बताया कि सरसों के शहद में तले पर जमने का गुण पाया जाता है। जो सामान्य जल से गर्म करके दूर किया जा सकता है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग की मधुमक्खी पालन पर बी बोर्ड, भारत सरकार में परियोजना विचाराधीन है। जिससे इस क्षेत्र में मधुमक्खी पालन के विभिन्न आयामों पर शोध किया जा सकेगा। इससे पूर्व कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एच.एल.देशवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ वी. एस. आचार्य ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, विद्यार्थियों व प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया।

खेत में कम लागत से कर पायेंगे फसल अवशेष प्रबंधन : राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीन ‘स्टबल चॉपर कम स्प्रेडर’ पर यूके (यूनाइटेड किंगडम) से डिजाइन पेटेंट मिलने के बाद अब पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार से भी डिजाइन पेटेंट मिल गया है। कृषि विश्वविद्यालय की डॉ. मनमीत कौर, डॉ. वाई. के. सिंह, सुश्री शौर्या सिंह, डॉ.अरूण कुमार एवं डॉ.पी. के. यादव को ये डिजाइन पेटेंट दिया गया है। विदित है कि इससे पूर्व पिछले वर्ष ही एसकेआरएयू को बाजरा बिस्किट समिश्रण पर फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी से पेटेंट मिला था।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन हेतु वर्तमान में जो मशीनें हैं वे सब्सिडी के बाद भी काफी महंगी हैं। लिहाजा आम किसान उसका उपयोग नहीं कर पाता। लेकिन ‘स्टबल चॉपर कम स्प्रेडर’ मशीन उनसे करीब चार गुना कम कीमत पर ही उपलब्ध हो सकेगी। लिहाजा कृषि विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि अब पराली एवं अन्य फसल अवशेषों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर पायेगी। कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी. के. यादव ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन लम्बे समय से देश में ज्वलंत समस्या बनी हुई है। जिसका विभिन्न प्रयासों के बाद भी निराकरण नहीं हो पा रहा है। ऐसे में कृषि विश्वविद्यालय द्वारा बेहद कम कीमत पर निर्मित मशीन ''स्टबल चॉपर कम स्प्रेडर' आने वाले समय में फसल अवशेष प्रबंधन के क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रभाव ला सकती है। सह आचार्य डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि खुशी की बात है कि यूके (यूनाइटेड किंगडम) से डिजाइन पंजीकरण (डिजाइन पेटेंट) मिलने के कुछ ही समय बाद ही भारत सरकार ने भी डिजाइन पंजीकरण (डिजाइन पेटेंट) प्रदान कर दिया है। उन्होने मशीन के कार्य करने को लेकर बताया कि फसल कटने के बाद जो फसल अवशेष रह जाते हैं उसे ये मशीन छोटे छोटे टुकड़ों में काट कर पूरे क्षेत्र में फैला देती है। जो जैविक खाद में परिवर्तित होकर फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराता है।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में ‘मधुमक्खी पालन की भूमिका, चुनौतियां और अवसर’ विषय पर व्याख्यान को देश के प्रमुख मधुमक्खी वैज्ञानिक प्रो. डी.पी. एब्रोल ने संबोधित किया।

- **मधुमक्खी पालन की भूमिका, चुनौतियां और अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन**

कविता रैगर श्रीगंगानगर जिला प्रमुख नियुक्त

श्रीगंगानगर,(कासं)। जिला प्रमुख कुलदीप इंदौरा के श्रीगंगानगर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित होने के बाद जिला प्रमुख का चार्ज कविता रैगर को दिया गया है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने जोन संख्या 10, अनुसूचित जाति भाजपा से जिला परिषद सदस्य कविता को अग्रिम आदेशों तक जिला प्रमुख श्रीगंगानगर का चार्ज दिया गया है। गौरतलब है कि ढाई साल पहले जब कांग्रेस के कुलदीप इंदौरा जिला प्रमुख बने थे, तब कविता 23 वोटों से चुनाव हार गई थी। जिला प्रमुख कुलदीप इंदौरा के सांसद चुने जाने पर जोन संख्या 15 की सीट खाली हो गई। अब इस जोन में छह माह में उप-चुनाव करवाना होगा। जिला परिषद के 31 में 26 जिला परिषद सदस्य कांग्रेस के जीते थे। कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य व पूर्व सांसद शंकर पन्नू व द्रौपती भादू कांग्रेस से जिला परिषद सदस्य चुने गए थे लेकिन दोनों भाजपा में चले गए।

भाजपा के पहले तीन सदस्य चुनाव जीते थे। दो के मिलने से अब भाजपा के कुल पांच सदस्य हो गए। जबकि एक निर्दलीय और माकपा के दो सदस्य चुनाव जीते हुए हैं। कांग्रेस के महीराम मेघवाल को करीब तीन हजार वोट से चुनाव हराकर भाजपा के चुनाव निशान पर जोन नंबर दस से जिला परिषद सदस्य चुनी गई। बीरमाना मंडल की भाजपा की उपाध्यक्ष हैं और सहकारी भूमि विकास बैंक श्रीगंगानगर की डायरेक्टर। परिवार में दादा सुसर ऊमाराम रेगर 2005 से 2010 तक सरपंच रहे।

सार-समाचार

52 श्वानों का रेबीज रोधी टीकाकरण

वेटरनरी महाविद्यालय में ‘विश्व जूनोसिस दिवस’ पर निःशुल्क रेबीज वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया।

बीकानेर,(कासं)। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में शनिवार को कैनाइन वेलफेयर सोसायटी वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर एवं इंडियन इम्युनोलॉजिकल लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में ‘विश्व जूनोसिस दिवस’ के अवसर पर श्वानों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क रेबीज वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन वेटरनरी महाविद्यालय के क्लीनिक्स परिसर में किया गया। प्रो. प्रवीण बिश्नोई, निदेशक क्लीनिक ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 52 श्वानों को निःशुल्क टीका लगाया गया एवं श्वान पालकों में रेबीज रोग के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। टीकाकरण शिविर के आयोजन में डॉ. जे.पी कछावा, डॉ. सीताराम गुप्ता, डॉ. मनोहर सेन एवं पी.जी. व पी.एच.डी. विद्यार्थियों का सहयोग रहा। शनिवार को विश्व जूनोसिस दिवस के उपलक्ष में पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट निस्तारण एवं तकनीकी केन्द्र व पशु जनस्वास्थ्य व जनपादिक विभाग द्वारा विद्यार्थियों हेतु निबंध लेखन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. दीपिका धुडिया ने बताया कि जूनोसिस रोगों एवं उनसे बचाव के बारे में जानकारी पशुओं के साथ-साथ मनुष्यों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम के दौरान सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र चौधरी एवं सहायक आचार्य डॉ. वैशाली ने भी पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट से उत्पन्न रोगों के बारे में जागरूक किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कुल 48 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

बिजली ट्रिपिंग से लोग परेशान

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर की बसंती चौक क्षेत्र के वास्तुनगर क्षेत्र के लोग नींद तक नहीं ले पाए। क्षेत्र में बार-बार बिजली की ट्रिपिंग होती रही। इस क्षेत्र में विद्युत वोल्टेज कम ज्यादा होने का खेल शुरू हो गया। वोल्टेज कम होने से पंखा व कूलर तक नहीं चल पा रहे थे। इस बीच निगम के सहायक अभियंता रविकांत शर्मा व अधिशासी अभियंता शहर सीताराम जांगिड़ को फोन किया गया, लेकिन उठाया नहीं गया। लोगों के विरोध के देखते हुए पौने चार बजे निगम की गाड़ी से नया ट्रांसफार्मर आया। इस बीच पौने चार बजे से रात्रि पौने नौ बजे क्षेत्र में बिजली सप्लाई बंद रही। निगम की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद नया ट्रांसफार्मर लगाकर रात्रि पौने नौ बजे विद्युत सप्लाई बहाल कर दी। करीब आधा घंटा बाद फिर बिजली सप्लाई बाधित हो गई। वास्तुनगर निवासी पंकज जसूजा, कुलभूषण मिड्ढ़ा , राजकुमार, विनोद फूटेला, विपिन कटारिया व सतीश कुमार ने कहा कि निगम की लापरवाही से क्षेत्र में विद्युत सप्लाई का बुरा हाल है। मंगलवार रात्रि को बारिश की वजह से विद्युत सप्लाई इस क्षेत्र में 30 घंटे तक बाधित रही। बुधवार रात्रि साढ़े नौ बजे विद्युत सप्लाई एक बार बहाल की गई। इस बीच रात्रि फिर बार-बार विद्युत सप्लाई बाधित होती रही। राजकुमार ने बताया कि तीस घंटे से बिजली सप्लाई क्षेत्र में पहले बंद रही, इसके बाद रात्रि 11 बजे फिर केबल जलकर नीचे गिर गई। निगम कार्मिकों, जेईए, एईएन और एक्सईएन तक को बार-बार फोन किए लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद कॉलोनी के लोग बाइक लेकर सेतिया फार्म की तरफ गए। वहां पर एक घर पर एफआरटी के कार्मिक बिजली सप्लाई बहाल कर रहे थे। आक्रोश को देखते हुए एफआरटी की गाड़ी को आगे लगाकर रात्रि को लेकर आए। कार्मिक खानापूर्ति कर चले गए। रात्रि को फिर बिजली सप्लाई बाधित हो गई।

खड़े ट्रक में घुसी कार, पति-पत्नी की मौत

श्रीगंगानगर,(कासं)। रावला-घड़साना सड़क मार्ग पर एक कार खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। कार में सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल कराहते रहे लेकिन किसी ने अस्पताल नहीं पहुंचाया तो दंपती की मौत हो गई।

मौके पर मौजूद किसी ने भी घायल दंपति को कार से बाहर निकालने का प्रयास नहीं किया। सूचना पर रावला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर मौजूद बहादुर सिंह व कमलेश कुमार की मदद से पति-पत्नी को कार से बाहर निकाला और निजी वाहन से रावला के अस्पताल लेकर आये जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर शाम पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए।

मानवता शर्मशार : वे कराहते हुए सांसों को बचाने के लिए मौत से संघर्ष कर रहे थे। वहीं दुर्घटनास्थल के आसपास तमाशबीनों की भीड़ अपने-अपने मोबाइल से उनका वीडियो बनाने में जुटी हुई थी। कोई बार-बार मोबाइल के कैमरे का एंगल सैट कर रहा था तो कोई घूम-घूमकर घटनास्थल का एक-एक कोना मोबाइल में कैद करने में जुटा था।

कार में फंसा हुआ घायल दंपती काफी देर तक सांसें बचाने के लिए जद्दोजहद करता रहा और लोगों को मदद के लिए पुकारता रहा, लेकिन आसपास खड़े लोगों को जरा भी तरस नहीं आया और आखिरकार सस्ती और आभासी लोकप्रियता के आगे दो जिंदगी हार गई। घायलों को यदि समय पर चिकित्सालय पहुंचाया जाता तो शायद एक भरा-पूरा परिवार उजड़ने से बच सकता था।

थाना अधिकारी बलवंत राम ने बताया कि हादसा रावला-घड़साना सड़क पर दोपहर 2 बजे के आसपास हुआ। साहबराम (34) अपने ससुराल अनूपगढ़ से पत्नी पूनम (30) को लेकर घर 4 केएलएम रावला आ रहा था। दोनों गांव से करीब 11 किमी. पीछे पांच पीएसडी के पास पहुंचे तो उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रक के अंदर तक चली गई और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे।

- **दुर्घटनास्थल पर तमाशबीन मोबाइल से वीडियो बनाते रहे लेकिन किसी ने घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचाया**

राजस्थानी युवा कवियों की प्रस्तुति आज

बीकानेर,(कासं)। सादुल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर के तत्वावधान रविवार को युवा कवियों के लिए समकालीन राजस्थानी युवा कविता के स्वर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कार्यक्रम प्रभारी साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी करेंगे तथा समारोह की मुख्य अतिथि कवयित्री मोनिका गौड होगी। युवा कवियों की रचनाओं पर त्वरित टिप्पणी डॉ. गौरीशंकर प्रजापत करेंगे। उन्होंने बताया कि नगर में पहली बार राजस्थानी युवाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में युवा कवि पूनमचंद गोदारा, कवयित्री ज्योति स्वामी एवं आरती छंगाणी राजस्थानी काव्य पाठ करेंगे। कार्यक्रम के सहयोगी अब्दुल शकूर सिसोदिया अध्यक्ष बागेश्वरी साहित्य एवं कला संस्थान होंगे।

जिप्सम से भरे ओवरलोड वाहनों से हादसे का डर

बीकानेर,(कासं)। बज्जू सीमांत क्षेत्र में जिप्सम का अवैध खनन व ओवरलोड परिवहन लाख कोशिशों के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ओवरलोड वाहनों से हादसे की आशंका रहती है। जिप्सम माफिया गाडियों में बड़े-बड़े पत्थर ओवरलोड भरकर ले जा रहे हैं, जो राज्य राजमार्ग और बज्जू बाजार में आये दिन गिरते रहते हैं और हर दिन हादसा होते होते बच रहा है।

बज्जू के सीमावर्ती गांवों से जिप्सम की ओवरलोड गाडियां भरने के बाद बज्जू बाजार से होकर निकलती है और गाडियों का निकलने का क्रम दिनभर जारी रहता है। बज्जू थाने व उपखंड कार्यालय के आगे से ओवरलोड जिप्सम से भरे वाहन बेखौफ निकलते हैं। बज्जू के मुख्य बाजार से दर्जनों ओवरलोड ट्रोले निकल रहे थे। इनमें कुछ गाडियों में अत्यधिक मात्रा जिप्सम के बड़े बड़े पत्थर लदे थे। एक गाड़ी से बज्जू के मुख्य बाजार में बालिका स्कूल के सामने मुख्य सड़क पर बड़ा पत्थर धमाके के साथ गिरा। उसी समय स्पीड ब्रेकर होने के कारण पास से निकल रहे मोटरसाइकिल सवार रूक गए। अन्यथा हादसा हो जाता।

आसपास के दुकानदारों में बाहर आकर देखा लेकिन ट्रोले वाले बिना रूके ही चलते बने। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रोजाना गाडियों से पत्थर गिरते है, अब तो इन गाडियों के पास से निकलते हुए डर लगता है।

- **बज्जू सीमांत क्षेत्र में जिप्सम के ओवरलोड वाहनों से बाजार में बड़े-बड़े पत्थर गिरते रहते हैं, जिससे बाइक सवार बाल-बाल बचा**

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा.मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted Under RHB Act 1970)
वृत-बीकानेर, Circle-Bikaner
क्रमांकः-उआआ/आरएचबी/बीका/2024-25/305 दिनांक :- 5/7/2024

आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की पंजीकरण योजना -1981 में चालान संख्या 28269 द्वारा राशि रू. 4600/- जमा करवाकर श्री केदार लाल माथुर पुत्र श्री गंगादास माथुर ने आवास आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया था। आवटी को आवास सं. 6-द-15 पवनपुरी दक्षिण विस्तार योजना, बीकानेर का कुल क्षेत्रफल 162 वर्गमीटर का आवंटन पत्र क्रमांक 3238 दिनांक 15.2.1986को जारी किया गया था। उक्त आवास उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर से पंजीकृत नहीं है।
तत्पश्चात श्री केदार लाल माथुर की मृत्यु दिनांक 26.12.1995 एवम् उनकी धर्मपत्नि श्रीमति पृष्पादेवी माथुर की मृत्यु दिनांक 20.4.1998 को हो जाने कारण उनके श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार के घोषणा पत्र, समस्त पंजीयन प्रपत्रों की छायाप्रति एवम् निर्धारित शूल्क जमा करा दिया। उक्त आवास श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर के नाम पार्षद के प्रमाण पत्र के माध्यम से किया गया। श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर पुत्र स्व. श्री केदार लाल माथुर के नाम करने की कार्यवाही प्रक्रियाधिन है।
श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर पुत्र स्०. श्री केदार लाल माथुर ने समस्त पंजीयन प्रपत्रों की सत्यापित छायाप्रति, निर्धारित शुल्क की रसीद जमा करवाकर मण्डल रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर पुत्र स्व. श्री केदार लाल माथुर का नाम मण्डल रिकार्ड में द र्ज करने की कार्यावाही विचाराधिन है। यदि किसी व्यक्ति/हितकारी को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 10 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर पुत्र स्व. श्री केदार लाल माथुर का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएगा। यदि उक्त आवास में उनके वारिसों एवम् अन्य कोई भी व्यक्ति द्वारा न्यायालय/ पुलिस थाना में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद पाया गया तो आवंटी स्वयं जिम्मेदार होगा।
सहायक आवासन अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त बीकानेर

बेलासर में 33 के.वी. जी.एस.एस. का

बीकानेर,(कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बेलासर गांव में 33 केवी जीएसएस का शिलान्यास और ट्यूबवैल का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गोदारा ने कहा कि सड़क निर्माण तथा पानी, बिजली की सुचारू आपूर्ति ग्रामीण विकास का आधार है। क्षेत्र के गांवों में बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ इन गांवों में सड़क सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी कार्य करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। इसी क्रम में नई स्वीकृतियां जारी की जा रही है। हाल ही में क्षेत्र में विभिन्न जीएसएस के क्षमतावर्धन कार्य का उल्लेख करते हुए गोदारा ने कहा कि क्षमतावर्धन और नये जीएसएस बनने से क्षेत्र के किसानों को समुचित बिजली मिल सकेगी। इससे उन्हें पैदावार बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। ट्यूबवैल निर्माण से गांव वासियों को पेयजल किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांव, जरुरतमंद युवा, महिला उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की नीतियों में इस उद्देश्य के साथ कार्य किया जा रहा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने ग्रामीण जन से संवाद करते हुए गांव की समस्याएं जानी और उन्हें शीघ्र पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

होनहारों को किया सम्मानित

बीकानेर,(कासं)। अवादा फाउंडेशन ने आज बीकानेर जिले के ग्राम भरूखीरा में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में कक्षा 5, 8, 10, 12 और स्नातक स्तर पर परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

छात्रवृति परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। यह समारोह फाउंडेशन द्वारा ग्राम भरूखीरा में संचालित फ्री कंप्यूटर क्लासेस के तीन महीने पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित किया गया था। कंप्यूटर क्लासेस के टेस्ट में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को भी मोमेंटो और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत शोभासर की सरपंच जंगीरो देवी, मनोज शर्मा आदि मौजूद थे।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

बीकानेर,(कासं)। मानसून की बारिश के साथ ही नगर निगम भी सक्रिय हो गया है। अत्यधिक बारिश के दौरान बाढ़ और राहत-बचाव को लेकर भण्डार गृह में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जा चुका है।

इस कक्ष में आवश्यक सामान सहित संसाधनों की तैयारी सुनिश्चित की गई है। आपदा एवं राहत बचाव कार्यों के लिए निगम की ओर से राउंड द क्लॉक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। निगम की ओर से बाढ़ नियंत्रण भण्डार गृह सहित गंगाशहर कार्यालय में भी आवश्यक सामान व मिट्टी से भरे थैले भी तैयार किए गए है।

निगम भण्डार गृह में संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष में 20 बरसाती, 15 टार्च, 10 गैंची, 10 फावड़े, 20 कड़ाई, एक हजार मीटर रस्सा, 5 हजार मिट्टी से भरे थैले, सात पम्प सैट, 3 पेट्रोमेक्स सहित आवश्यक सामान रखा गया है। वहीं ट्रैक्टर के साथ लगे पम्प भी तैयार किए गए है। पब्लिक पार्क पंपिंग स्टेशन परिसर में भी एक हजार मिट्टी से भरे थैले रखे गए है।

निगम की ओर संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष में 40 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा चुकी है। इनमें 15 सफाई कर्मचारी, 15 वाहन चालक व खलासी है। इनकी ड्यूटी राउंड द क्लॉक लगाई गई है। वहीं दस स्वच्छता निरीक्षक, जमादार, चौकीदार, सफाई कर्मचारी भी इस कक्ष में लगाये गए है। अधिशासी अभियंता पवन बंसल को कक्ष का प्रभारी अधिकारी और अधिशासी अभियंता यांत्रिक गोपाल मूण्ड को सहायक प्रभारी अधिकारी लगाया हुआ है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नंबर 0151 -2226910 है।

- **गैंची, फावड़े, ट्रैक्टर के साथ लगे सात पम्प, रस्सा और रेत से भरे थैले भी तैयार किये**
- **40 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई**

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा.मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted Under RHB Act 1970)
वृत-बीकानेर, Circle-Bikaner
क्रमांकः-उआआ/आरएचबी/बीका/2024-25/304 दिनांक :- 5/7/2024

आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की पंजीकरण योजना -1973 में चालान संख्या 19139 द्वारा राशि रू. 500/- जमा करवाकर श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र ने आवास आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया था। आवटी को आवास सं. 3-घ-7 पवनपुरी, बीकानेर का कुल क्षेत्रफल 92 वर्गमीटर का आवंटन पत्र क्रमांक 9969 दिनांक 26.4.1979 को जारी गया था। मूल आवंटी श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र के नाम मण्डल रिकॉर्ड के अनुसार दिनांक 28.3.2000 कन्वेशडीड/परिपिज्युल को जारी कर दी गई थी। उक्त आवास उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर में दिनांक 29.3.2000 को पंजीकृत हैं।
तत्पश्चात श्री हरनाम सिंह की मृत्यु दिनांक 16.12.2007 हो जाने के कारण उनकी धर्मपत्नि श्रीमति शान्ति देवी की मृत्यु दिनांक 12.1.2016 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री दर्शन सिंह कामरा एवम् श्री गुलशन कामरा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र क्षतिपूर्ति प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार के घोषणा पत्र, समस्त पंजीयन प्रपत्रों की छायाप्रति एवम् निर्धारित शूल्क जमा करा दिया। उक्त आवास श्री दर्शन सिंह कामरा एवम् श्री गुलशन कामरा के नाम रिलीज डीड के माध्यम से किया गया। उक्त रिलीज डीड उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर से दिनांक 4.2.2013 से पंजीकृत हैं। तत्पश्चात श्री दर्शन सिंह कामरा एवम् श्री गुलशन कामरा के नाम उक्त आवास इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 738 दिनांक 19.10.2023 को किया गया। उक्त आवास का संशोधन विलेख पत्र श्री दर्शन सिंह कामरा एवम् श्री गुलशन कामरा के नाम इस कार्यालय के संशोधन विलेख पत्रांक 955 दिनांक 5.2.2024 जारी किया गया।
तत्पश्चात श्री दर्शन सिंह कामरा एवम् श्री गुलशन कामरा ने उक्त आवास का बैचान विक्रय विलेख के माध्यम से श्री रवि सोनी पुत्र श्री राजेन्द्र सोनी ने नाम किया गया। उक्त विक्रय विलेख उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर से दिनांक 8.2.2024 से पंजीकृत हैं।
श्री रवि सोनी पुत्र श्री राजेन्द्र सोनी ने समस्त पंजीयन प्रपत्रों की सत्यापित छायाप्रति, निर्धारित शुल्क की रसीद जमा करवाकर मण्डल रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्री रवि सोनी पुत्र राजेन्द्र सोनी का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज करने की कार्यावाही विचाराधिन है। यदि किसी व्यक्ति/ हितकारी को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 10 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री रवि सोनी पुत्र श्री राजेन्द्र सोनी का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएगा। यदि उक्त आवास में उनके वारिसों एवम् अन्य कोई भी व्यक्ति द्वारा न्यायालय/पुलिस थाना में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद पाया गया तो आवंटी स्वयं जिम्मेदार होगा।
सहायक आवासन अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त बीकानेर

‘एक पेड़ मां के नाम’ 200 पौधे लगाकर पेड़ बनाने का लिया संकल्प

बीकानेर,(कासं)। भारतीय जनता पार्टी बीकानेर शहर द्वारा भाजपा संभाग कार्यालय के सामने पार्क में श्यामाप्रसाद मुखर्जी जन्म जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम से 200 पौधे एक साथ लगाकर इन सभी पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प लिया।

प्रदेश नेतृत्व के आदेश अनुसार प्रत्येक मंडल के शक्ति केन्द्रों पर भी हर कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाए। लगभग सभी मंडल मोर्चा प्रकोष्ठों लगभग 1000 पौधे लगवाकर जो प्रधानमंत्री के संकल्प पर्यावरण बचाना है हमारे देश की जलवायु शुद्ध हो हरियाला भारत हो में सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम प्रभारी मोहन सुराणा ने बताया कि शहर अध्यक्ष विजय आचार्य ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवनकाल पर प्रकाश डाला।

आचार्य ने कहा कि ऐसे समर्पित व्यक्ति के कारण ही आज भारतीय जनता पार्टी उच्चतम शिखर पर है। आजाद कश्मीर मुखर्जी का एक सपना जो साकर हुआ। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य ने कहा कि मुखर्जी का यह बलिदान प्रत्येक कार्यकर्ता याद करता है। आज हम सब पेड़ लगाकर जीवन में सबसे बड़ा पुण्य का काम कर रहे हैं। जिला महामंत्री मोहन सुराणा ने सभी कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि हम सभी मिलकर निरंतर पेड़ लगाने का संकल्प लें।

इस कार्यक्रम में महामंत्री श्याम सुंदर चोघरी, उपाध्यक्ष गोकुल जोशी हडमान सिंह चावडा, विजय उपाध्याय, जितेन्द्र राजवी, आनंद सिंह भाटी जिला मंत्री सागीलाल गहलोत, रामकुमार व्यास, भारती अरोड़ा, भूपेन्द्र शर्मा, सुशील शर्मा, सुमन छाजेड़, इन्दिरा व्यास, मंडल अध्यक्ष विनोद करोल अंजय मोदी, नरसिंह सेवक, जेठमल नाहाटा, मुकेश ओझा, मघाराम नाई, मुलचंद, कमल नाई, दिनेश महात्मा, राघा देवी आदि ने पौधारोपण किया।

भारतीय जनता पार्टी बीकानेर शहर द्वारा भाजपा संभाग कार्यालय के सामने पार्क में श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर पौधारोपण किया।

- **सभी भाजपा मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठों ने लगभग 1000 पौधे लगवाए**

चौपड़ा स्कूल में विशेष कक्षाएं शुरू

बीकानेर,(कासं)। राजकीय चौपड़ा उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगाशहर में अध्ययनरत प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की लिखावट व आधारभूत गणितीय ज्ञान को दुरुस्त करने के उद्देश्य से शुक्रवार को विशेष कक्षाएं शुरू की गई।

विद्यालय के भौतिक विज्ञान के शिक्षक करणीदान कच्छावा की ओर से किए नवाचार के तहत विशेष कक्षा की शुरूआत अंतर्राष्ट्रीय ड्यूश बैंक के निदेशक पंकज ओझा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिन्दी और गणित जैसे विषयों के आधारभूत ज्ञान के बारे में शुरू की गई यह पहल भविष्य में इनके लिए मील का पत्थर साबित होगी। ओझा ने कहा कि इससे न केवल बच्चे हिन्दी और गणित में होशियार होंगे। बल्कि इससे इनकी हैंडराइटिंग सुंदर होगी व भाषा में भी शुद्धता आयेगी। इसके निरंतर अभ्यास से विषय वस्तु के साथ मौखिक गणितीय सवालों के जवाब भी दे सकेंगे।